आर. एस. एम. पब्लिक स्कूल, अलौली

कक्षा - आठवीं
विषय - हिन्दी
पाठ - पाँच

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

– अरविंद कुमार सिंह

शब्दार्थ

अजीबो - गरीब - अनोखा
एसएमएस - लघु संदेश सेवा
आवाजाही - आना - जाना
प्रशस्ति पत्र - प्रशंसा पत्र
मुस्तैद - तत्पर
दस्तावेज - प्रमाण संबंधी कागजात, प्रमाण पत्र
गुडविल - सुनाम, अच्छी छवि
आलीशान - शानदार
ढाणी - अस्थाई निवास
अनूठी - अनोखी
संचार - संदेश भेजने के साधन
दायरा - सीमाएँ, परिधि
आधुनिकतम - नवीन
महासंग्राम - बड़ा युद्ध
लेखा - जोखा - हिसाब - किताब
दुर्गम - जहाँ जाना कठिन हो
मनीआर्डर - डाक द्वारा धन आना
अर्थव्यवस्था - आर्थिक व्यवस्था अर्थात् धन से संबंधित
देवदूत - ईश्वर का संदेशवाहक
अनुसंधान - खोज

विरासत- पूर्वजों से प्राप्त
उद्यमी - परिश्रम करने वाले
प्रेरक - प्रेरित करनेवाला
प्रशासक - शासन करनेवाला अधिकारी
लिख्यौं - लिखा
बहुआयामी - अत्यधिक
परिवहन साधन - आवागमन के साधन
बारीकी - ध्यानपूर्वक
तह - गहराई

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता ?

उत्तर :– पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश नहीं दे सकता, क्योंकि पत्रों का अस्तित्व स्थाई होता है। उनमें मानवीय प्रेम व लगाव का समावेश रहता है। फोन या एसएमएस के द्वारा प्राप्त संदेशों को लोग जल्दी भूल जाते हैं। लेकिन पत्रों को सहेज-कर रख लेते हैं। दुनिया का तमाम साहित्य पत्रों पर ही केंद्रित है।

2. पत्र को खत, काग़द, उत्तरम, जाबू, लेख, कडिद, पाती, चिट्ठी इत्यादि कहा जाता है। इन शब्दों से संबंधित भाषाओं के नाम बताइए।

उत्तर :– पत्र को उर्दू में खत, कन्नड़ में काग़द, तेलुगु में उत्तरम, जाबू और लेख, तमिल में कडिद, हिन्दी में चिट्ठी और पाती कहा जाता है।

3. पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए ? लिखिए।

उत्तर :– पत्र-लेखन के विकास हेतू स्कूली पाठ्यक्रम में पत्र लेखन का विषय शामिल किया गया। विश्व डाक संघ ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रति-योगिताओं का भी आयोजन किया गया ताकि बच्चों की रुचि पत्र-व्यवहार में बनी रहे।

4. पत्र धरोहर हो सकते हैं लेकिन एसएमएस क्यों नहीं ? तर्क सहित अपना विचार लिखिए।

उत्तर :– पत्र को धरोहर कह सकते हैं इन्हें सहेज कर रखा जा सकता है। उपयोगी व शिक्षाप्रद पत्रों को पुस्तक के रूप में भी रखा जा सकता है। जैसे गांधीजी के पत्र एवं जवाहरलाल नेहरू द्वारा इंदिरा को लिखे गए पत्र आज तक सहेजे हुए हैं। एस॰ एम॰ एस भले ही लिखित रूप में हो लेकिन हम इन्हें स्थाई रूप में सहेज नहीं रख सकते। अतः जो संतोष हमें पत्र से प्राप्त होता है वह एस॰ एम॰ एस में नहीं होता।

5. क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर :- भले ही वर्तमान में फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल का चलन बढ़ता जा रहा है। लोग सुविधानुसार अपने कार्यों को करने के लिए इन साधनों का प्रयोग करने लगे हैं लेकिन यह भी सत्य है कि पत्रों का चलन कम नहीं हो सकता। आज व्यापारिक व विभागीय कार्यों की प्रत्येक सूचना पत्रों द्वारा ही पहुँचाई जाती है। पत्रों का चलन न कभी कम हुआ था, न कम है और न कभी कम होगा।

भाषा की बात

1. पत्र के योग से बननेवाले दस शब्द लिखिए।

उत्तर :- समाचार पत्र
प्रशस्ति पत्र
त्याग पत्र
निमंत्रण पत्र
प्रार्थना पत्र
शोक पत्र
आवेदन पत्र
प्रमाण पत्र
निमंत्रण पत्र
प्रेम पत्र

2. इक प्रत्यय के योग से बननेवाले शब्दों को अपनी पाठ्यपुस्तक से खोजकर लिखिए।

उत्तर :- व्यापारिक
सामाजिक
धार्मिक
नैतिक
आर्थिक
दैनिक
पौराणिक